

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-76

दिनांक: शनिवार, 03 अक्टूबर, 2026



विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.2 एवं 22.7 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 92 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 68 प्रतिशत, हवा की औसत गति 6.0 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 3.8 मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 7.7 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से 10 मि० गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 28.3 एवं दोपहर में 36.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि मौसम शुष्क रहा है।

**मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(03-06 अक्टूबर, 2026)**

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा० आर० पी० सी० ए० यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 03 से 06 अक्टूबर, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-

- पूर्वानुमान अवधि के दौरान उत्तर बिहार के अधिकांश स्थानों पर आमतौर पर मौसम शुष्क रहने की संभावना है। इस दौरान आकाश साफ रहने की संभावना है। 6 अक्टूबर को गोपालगंज, पूर्वी चंपारण एवं पश्चिमी चंपारण के कुछ स्थानों पर बहुत हल्की वर्षा हो सकती है।
- इस दौरान अधिकतम तापमान 31-35°C तथा न्यूनतम तापमान 23-26°C के बीच रहने की संभावना है।
- सुबह के समय सापेक्ष आर्द्रता 80-90% तथा दोपहर में 35-45% के आसपास रह सकती है।
- पूर्वानुमान अवधि के दौरान हवा मुख्यतः पश्चिमी या दक्षिण-पश्चिमी दिशा से 4-8 किमी प्रति घंटा की गति से चलने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- रबी फसलें: साफ एवं अनुकूल मौसम का लाभ उठाते हुए किसान रबी फसलों की समय पर बुआई के लिए खेत की तैयारी शुरू करें तथा गुणवत्तापूर्ण बीज एवं अन्य आवश्यक कृषि सामग्री की पहले से व्यवस्था करें। राई, मसूर, मटर, लहसुन, धनिया, सरसों, सूरजमुखी, राजमा एवं मेथी जैसी रबी फसलों की बुआई तथा आलू की रोपाई के लिए खेत तैयार करें। मिट्टी में पोषक तत्वों की उपलब्धता एवं जल उपयोग दक्षता बढ़ाने के लिए 150-200 किंटा अचूकी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें।
- धान: फसल की नियमित निगरानी करें, क्योंकि इस दौरान गंधी बग के प्रकोप से दाने सफेद एवं खोखले रह सकते हैं। प्रकोप दिखाई देने पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सुबह जल्दी या शाम के समय फोलिडोल डस्ट दवा 10-15 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें।
- तोरी: तोरी की फसल के लिए खेत की तैयारी करने की सलाह दी जाती है। खेत की तैयारी के समय 100 किंटा अचूकी तरह सड़ी हुई कम्पोस्ट के साथ 30 किग्रा नत्रजन, 40 किग्रा फास्फोरस, 40 किग्रा पोटाश तथा 20-30 किग्रा सल्फर प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें। इन पोषक तत्वों को बुआई से 25-30 दिन पहले मिट्टी में अच्छी तरह मिला दें। शेष 30 किग्रा नत्रजन प्रति हेक्टेयर उपरीवेशन के रूप में दें। उर्वरक के रूप में अमोनियम सल्फेट का प्रयोग करें तथा जिंक की कमी वाली मिट्टी में जिंक सल्फेट 25 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें। उत्तर बिहार में बुआई के लिए आर.ए.यू.टी.एस.-17, पंचाली, पीटी-303 एवं भवानी जैसी अनुशंसित किस्मों की व्यवस्था करें।
- मूली: इस समय मूली की बुआई कर सकते हैं। किसानों को काशी हंस, काशी लोहित, जौनपुरी जायंट, पालम हृदय, काशी श्वेता, पंजाब अगेती, स्कारलेट लॉन्ग, पूसा चेतकी, पूसा देसी, पूसा हिमानी, पूसा रश्मि, जापानी व्हाइट, जौनपुरी, व्हाइट आइकल, पंजाब सफेद, चाइनीज पिक, हिसार मूली-1 एवं अर्का निशांत जैसी उपयुक्त किस्मों की खेती करने की सलाह दी जाती है। 7-8 किग्रा बीज प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें तथा कतार से कतार और पौधे से पौधे की दूरी 30×10 सेमी रखें। अच्छी वृद्धि के लिए 150-200 किंटा अचूकी तरह सड़ी हुई कम्पोस्ट के साथ 60 किग्रा नत्रजन, 40 किग्रा फास्फोरस एवं 40 किग्रा पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें।
- फूलगोभी: वर्तमान समय में मध्य अवधि वाली किस्मों जैसे पूसा हिम ज्योति, डी-96 एवं पंत शुभ्रा की रोपाई तथा पछेती किस्मों की बुआई की जा सकती है। पूसा स्नोबॉल-1 एवं पूसा हाइब्रिड-2 जैसी पछेती किस्मों के लिए 350-400 ग्राम बीज प्रति हेक्टेयर की आवश्यकता होती है। रोपाई से पहले 20-25 टन अचूकी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद प्रति हेक्टेयर मिट्टी में मिलाएं तथा 120 किग्रा नत्रजन, 60-80 किग्रा फास्फोरस, 40-60 किग्रा पोटाश, 10-15 किग्रा बोरेक्स एवं 1-2 किग्रा अमोनियम मोलिब्डेट प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें। अगेती फूलगोभी में पत्ती खाने वाली इलियों की नियमित निगरानी करें तथा प्रकोप होने पर स्पिनोसैड दवा 1 मिली प्रति 4 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
- पत्तागोभी: पत्तागोभी की बुआई के लिए पूसा ड्रम हेड एवं पूसा अगेती जैसी अनुशंसित किस्मों का चयन करें। प्रति हेक्टेयर जमीन में लगभग 500 ग्राम बीज की बुआई करें। कतार से कतार की दूरी 50-60 सेमी तथा पौधे से पौधे की दूरी 40-50 सेमी रखें। अच्छी वृद्धि एवं संतोषजनक उत्पादन के लिए 20-25 टन अचूकी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद के साथ 120 किग्रा नत्रजन, 80 किग्रा फास्फोरस एवं 80 किग्रा पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें।

आज का अधिकतम तापमान: 33.0 डिग्री सेल्सियस,
जो सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस अधिक

आज का न्यूनतम तापमान: 22.2 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 2.5 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ० ए. सत्तार)

वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी